

30-01-23

पत्रावली पेश हुई।
 प्राची वकील उपस्थित / विप्राची संख्या 2 के
 वकील उपस्थित।
 विप्राची संख्या 1 व 3 की तलबी मूल वाद
 में पूर्ण हो चुकी है, बाकमुद सूचना के
 अनुपस्थित।
 बहस सुनी गई।
 पत्रावली वास्ते काउंश आर्डर 09.02.23 को
 पेश हो।

सहायक कलेक्टर
 (S.D.O.) सिवाना

09.02.23

पत्रावली पेश हुई।
 प्राची वकील उपस्थित। विप्राची संख्या 2 के
 वकील उपस्थित।
 बहस सुनी गई।
 वकील प्राची की बहस है कि ग्राम कृष्ण
 तहसील समथी की खसरा संख्या 607/477
 रकबा 4-2087 हेक्टेयर भूमि प्राची एवं
 विप्राची संख्या 1 व 2 की संयुक्त खातेदारी
 की है, जिस पर पक्षकार बाहमी गेट से
 बंटावाडा कर अपने-अपने हिस्से की भूमि
 पर काबिज होकर काश्त करते आ रहे हैं।
 भूमि संयुक्त खातेदारी की होने से विप्राची
 बिना विभाजन करवाये भूमि को अजनबी
 क्रेतागण को बेचान कर प्राची द्वारा उपजाऊ
 बनाई गई भूमि पर जबरन काबिज करने
 पर उतारू हैं। यदि वे अपने इस मकसद
 में कामयाब हो जायें तो प्राची को अप्रतुष्टि
 झंति होगी। प्राची रिपोर्ट खातेदार होने
 से प्रथम दृष्टया प्रकरण एवं अपने हिस्से की
 भूमि पर काबिज होने से सुविधा केंद्र
 भी उसी के पक्ष में है। अतः न्यायालय
 द्वारा जारी अन्तरिम स्वयं तारुल्ला बंटावाडा
 कार्य किया जावे।

इसके विपरीत वकील विप्रायी संख्या 2 की बहत है कि विवादित भूमि प्रायी रूपं विप्रायी संख्या 1 व 2 की संयुक्त खातेदारी की है और विभाजन नहीं होने तक प्रत्येक खातेदार का विवादित भूमि के प्रत्येक डेच पर कानूनन हक होता है। अतः अन्तरिम रूपान् प्रय चर्च खारिज किया जावे।

हमने दोनों पक्षों की बहत पर मन तथा पत्रावली का माधीपान्त अवलोकन किया। विवादित भूमि प्रायी रूपं विप्रायी संख्या 1 व 2 की संयुक्त खातेदारी रूपं कब्जाकारत की है। भूमि के पर्यकुलर हिले का निर्धारण बाद के विधिवत सुनवाई के बाद पारिवर्ण निर्णय से होगा। प्रायी का यह कथन सही है कि कोई सहखातेदार अपनी संयुक्त खातेदारी का हिले विशेष रूपं से देखान नहीं कर सकता किन्तु अपने हिले की सीमा तक संयुक्त खातेदारी में भूमि का विभाजन या अन्य विधि से संतान्तरण करने से प्रतिबाधित नहीं किया जा सकता।

लिहाजा प्रायीगण का आवेदन खारिज किया जाता है।

आदेश सुनाया गया।

पत्रावली के ताल सुमार होकर मूल बाद के संलग्न है।

सहायक फलक्टर
(S.D.O.) सिवाना